

विचार बिन्दु

शरीर को रोगी और निर्बल रखने के समान दूसरा कोई पाप नहीं है।

-लोकमान्य तिलक

दवा कंपनियों व डॉक्टरों के बीच संबंध परिभाषित करती संहिता

डॉक्टरों की विदेश यात्राएं प्रायोजित करने वाली अमेरिकी दवा कंपनी एबवी हेल्थकेयर की भारतीय शाखा पर 'यूनिफॉर्म कोड ऑफ़ फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस' के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप है और वह जांच के घेरे में है। इस कंपनी को इसलिए और अधिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि सरकार इस कंपनी के उस कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ़ कार्रवाई करने पर विचार कर रही है जिसने नियमों का पालन करने के लिए स्व-घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल जारी इन नियमों के अनुसार, मार्केटिंग प्रैक्टिसेस कोड की अनुपालना में कंपनी के कार्यकारी प्रमुख को हस्ताक्षर करके स्व-घोषणा पत्र देना होता है कि उसकी कंपनी ने इनकी पालना की है। नये नियमों में प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के दो महीने के भीतर ऐसा स्व-घोषणा पत्र दिए जाने का प्रावधान है। अमेरिकी कंपनी पर सरकार यदि ऐसा कदम उठाती है, तो यह यूनिफॉर्म कोड ऑफ़ फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस के तहत अपनी तरह की पहली कार्रवाई होगी। इस मामले ने भारत के फार्मा हलकों में हलचल पैदा कर दी है और सभी उद्युक्तता से सरकार के अगले कदम का इंतज़ार कर रहे हैं। एबवी हेल्थकेयर इंडिया पर अपने लोकप्रिय एंटी-एजिंग उत्पादों 'बोटॉक्स' और 'जुवेडम' को बढ़ावा देने के लिए 30 डॉक्टरों की पेरिस और मोनाको की विदेश यात्राएं प्रायोजित करने का आरोप है। इसी के लिए नैतिक विधान संहिता के उल्लंघन की जांच हो रही है। केंद्र सरकार के फार्मास्यूटिकल विभाग ने कर अधिकारियों से भी इस कंपनी और चिकित्सकों की देयता का आकलन करने के लिए और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से पेशेवर कदाचार के लिए डॉक्टरों के खिलाफ़ कार्रवाई करने के लिए भी कहा है। उन डॉक्टरों में से 24 पेरिस और छह मोनाको गए थे। फार्मास्यूटिकल कंपनियों के उत्पादों के विपणन पर नियंत्रण के लिये साल 2014 में जारी संहिता के स्थान पर फार्मास्यूटिकल विभाग ने पिछले साल नई संहिता अधिगुचित की थी। वैसे भारत में कंपनियों द्वारा अंतिम उपभोक्ताओं के लिए दवाओं के विज्ञापन और विपणन को विनियमित करने के लिए कई कानून बने हुए हैं, जैसे 'औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम', 'औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम', 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम' आदि इनके अलावा विज्ञापन में स्व-नियमन के लिए भारतीय विज्ञापन मानक परिषद की संहिता और प्राथमक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए दिशा निर्देश, 2022 की व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं। इनके अलावा, भारतीय चिकित्सा परिषद (पेशेवर आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002, भी डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा उद्योग के बीच के संबंधों को विनियमित करता है। ये विनियम कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को मुफ्त उपहार दिए जाने पर प्रतिबंध लगाते हैं। इनके उल्लंघन के परिणाम स्वरूप डॉक्टरों के लाइसेंस भी रद्द किये जाने की व्यवस्था है। परंतु इसमें एक कर्मी थी। अपनी दवाओं और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डॉक्टरों को उपहार और मुफ्त चीजें देने के लिए कंपनियों को दंडित नहीं किया जा रहा था।

एक मेडिकल जर्नल में प्रकाशित निष्कर्षों के अनुसार, एक मुफ्त पिज्जा भी डॉक्टर के पंचे को प्रभावित कर सकता है। भारत में कंपनियों द्वारा डॉक्टरों के साथ संबंध बनाने की प्रचलित प्रथा के संदर्भ में इन निष्कर्षों को देखें तो यह मुद्दा काफी चिंताजनक हो जाता है। दर्द निवारक गोलो डोलो-650 के निर्माता पर दवा लिखने के बदले में डॉक्टरों को 10 हजार मिलियन रुपये के मुफ्त उपहार विरित करने का आरोप लगा था। अपनी 2019-20 की रिपोर्ट में, संसद को लोका लेखा समिति ने उल्लेख किया था कि सात भारतीय राज्यों में कर निर्धारण अधिकारियों ने कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को दिए गये उपहार और उन पर किये गये कर्तव्यों को कर कटौती योग्य के रूप में अनुमति दी गई, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को 551 मिलियन रुपये का नुकसान हुआ। सीधे शब्दों में कहें तो कंपनियों डॉक्टरों से जो सबसे ज्यादा दवा लिखावती है वह दवा काजार में सबसे महंगी हो जाती है। 'बिक्री संबंधन' की आड में, डॉक्टरों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ दिए जाते हैं, जिसमें

नई व्यवस्था में संहिता के नैतिक जिम्मेदारियों को निभाने के अलावा अब दवा कंपनियों को ऑडिट की तत्परता भी सुनिश्चित करनी होगी। हालांकि, कंपनियों के लिए इसके प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। बहुतां को लगता है कि दवा उद्योग का प्रपंच इतना जटिल है कि उसकी काट निकालना आसान नहीं है फिर भी सरकार के नये कदम का स्वागत ही होगा।

नई व्यवस्था में संहिता के नैतिक जिम्मेदारियों को निभाने के अलावा अब दवा कंपनियों को ऑडिट की तत्परता भी सुनिश्चित करनी होगी। हालांकि, कंपनियों के लिए इसके प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। बहुतां को लगता है कि दवा उद्योग का प्रपंच इतना जटिल है कि उसकी काट निकालना आसान नहीं है फिर भी सरकार के नये कदम का स्वागत ही होगा।

में, सुप्रिम कोर्ट ने माना कि कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को दिए जाने वाले मुफ्त उपहारों के खर्चों को आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कटौती के रूप में दवा नहीं किया जा सकता है। इस मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की थी कि इस तरह की मुफ्त आर्गुंति की लागत को आम तौर पर दवा में शामिल किया जाता है, जिससे इसकी कीमतें बढ़ जाती है। चिकित्सा उपकरणों को अलावा से विनियमित करने के लिए 2022 में यूनिफॉर्म कोड ऑफ़ मेडिकल डिवाइस मार्केटिंग प्रैक्टिसेस का मसौदा प्रकाशित किया गया। हालांकि वह फिर से स्वीच्छिक अनुपालन के रूप में ही था। इसके बाद, सरकार ने इस क्षेत्र में समग्र विनियमन लाने के लिए एक समिति बनाई जिसकी सिफारिशों के अनुसार, सरकार ने यूनिफॉर्म कोड ऑफ़ फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस 2024 जारी किया। यह नई आचार संहिता दवा कंपनियों को सख्त अनुपालन की व्यवस्था करने के साथ-साथ चिकित्सा उपकरणों पर भी लागू होगी है। यह संहिता कानून है कि विपणन के लिए दवा के प्रकार को निर्दिष्ट शर्तों की पालना करना चाहिए तथा किसी दवा के बारे में जानकारी प्रामाणिक नहीं होनी चाहिए। इसमें यह दोहराया गया है कि दवाओं के संबंध में 'सुरक्षित' शब्द का इस्तेमाल लापरवाही से नहीं किया जा सकता है, और यह कि 'नया' शब्द भारत में एक वर्ष से अधिक समय से उपलब्ध या प्रचारित दवाओं के लिए उपयोग में नहीं लिया जा सकता है। यह संहिता कंपनियों के बिक्री प्रतिनिधियों के लिए भी नैतिक मानकों को स्थापित करती है और कंपनियों को अपने कर्मचारियों द्वारा संहिता की अनुपालना के लिए जिम्मेदार ठहराती है। इसके अलावा, संबंधित गतिविधियों में कंपनियों द्वारा नियोजित तीसरे पक्ष को भी अनुपालन की पूरी समझ रखने की आवश्यकता को व्यवस्था देती है।

नई संहिता दो श्रेणियों में ब्रॉड रिमांडर को अनुमति देती है। पहली सूचनात्मक और शैक्षिक आइटम और दूसरी कंपनियों द्वारा चिकित्सा पेशेवरों को प्रदान किए गए मुफ्त नमूने। सूचनात्मक और शैक्षिक माध्यम में किताबें, कैलेंडर, डायरी आदि जैसे आइटम शामिल हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में पेशेवर उद्देश्यों के लिए किया जाता है। मगर इसके लिए प्रति आइटम एक हजार रुपये सीमा तय की गई है। नई संहिता में भी पहले की तरह ही निःशुल्क नमूने केवल योग्य व्यक्तियों को प्रदान किए जा सकते हैं जो ऐसे उत्पादों को लिख सकते हैं। विवरित सभी निःशुल्क नमूनों का विवरण बनाए रखने की जिम्मेवारी भी कंपनियों पर रखी गई है। निःशुल्क नमूनों की अनुमतिदेते हुए ऐसे नमूनों के मॉडिक मूल्य को कंपनी की प्रति वह धरेलु बिक्री के दो प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है। प्रतिबंधित नमूनों की सूची से अखाद रोधी दवाओं को हटाना भी इस संहिता में शामिल है। संहिता में सतत चिकित्सा शिक्षा का एक नया प्रावधान जोड़ा गया है जो सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि के लिए दवा उद्योग और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच जुड़ाव को नियंत्रित करता है तथा विदेशों में आयोजन पर प्रतिबंध लगाता है। शोध के लिए सहायता का भी एक नया प्रावधान जोड़ा गया है जो कंपनियों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के बीच सहयोग के लिए दिशा-निर्देश देता है। संक्षेप में कहें तो किसी भी शोध को सक्षम अधिकारियों से मंजूरी लेनी होगी और उसे मान्यता प्राप्त स्थानों पर ही आयोजित किया जाना होगा। परामर्शदाता-सलाहकार के रूप में स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की नियुक्ति वास्तविक शोध सेवाओं के लिए होनी चाहिए, जिसमें परामर्श शुल्क या मानदेय-आधारित भुगतान शामिल हो, जो सभी कर कानूनों के अनुपालन के अधीन हो। अनुसंधान पर कंपनियों के व्यय को स्वीकार्य माना गया है। स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ दवा कंपनियों के संबंध में कई पुराने प्रावधानों को नवीनीकृत किया गया है, जिसमें कंपनियों या उनके एजेंटों को स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों या यहां तक कि उनके परिवार के सदस्यों को उपहार या लाभ देने से प्रतिबंधित किया गया है। इसमें किसी भी प्रकार का आर्थिक लाभ, यात्रा व्यवस्था, आतिथ्य या मॉडिक अनुदान शामिल है, जब तक कि, नए पेशे किए गए अपवाद के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा पेशेवर सतत शिक्षा कार्यक्रम में वक्त के रूप में काम नहीं ले रहा हो। यूनिफॉर्म कोड ऑफ़ फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस 2024 दवा उद्योग को विनियमित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वर्तमान में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। नई व्यवस्था में संहिता के नैतिक जिम्मेदारियों को निभाने के अलावा अब दवा कंपनियों को ऑडिट की तत्परता भी सुनिश्चित करनी होगी। हालांकि, कंपनियों के लिए इसके प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। बहुतां को लगता है कि दवा उद्योग का प्रपंच इतना जटिल है कि उसकी काट निकालना आसान नहीं है फिर भी सरकार के नये कदम का स्वागत ही होगा।

-अतिथि संपादक,

राजेन्द्र बोड़ा

(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

2024 में वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में उभरकर सामने आया भारत

भारत वर्ष 2024 में वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें विभिन्न खेल स्पर्धाओं में ऐतिहासिक उपलब्धियों की एक श्रृंखला शामिल है। यह उल्लेखनीय सफलता पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है, जिसमें खेलो इंडिया जैसी ऐतिहासिक पहल भी शामिल है। यह योजना जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए शुरू गई है और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉपस) भी है, जो शीघ्र एथलीटों को विश्व स्तरीय सहायता प्रदान करती है। हाल के वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं जैसे कि भारत ने 2023 के एशियाई खेलों में रिकार्ड 107 पदक जीते, कई चैंपियनशिप और ओलंपिक में नीरज चौपड़ा का शानदार प्रदर्शन और फिट इंडिया मोमेंट तथा विभिन्न खेलों इंडिया स्वर्ण संस्करण भारतीय खेलों के इस स्वर्णिम युग की ओर निरंतर प्रगति को रेखांकित करते हैं। खेल अब महज मनोरंजन से कहीं आगे बढ़ कर एक सम्मानित कैरियर विकल्प बन गए हैं, जो लाखों युवा भारतीयों को अपने एथलेटिक सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

3. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चौपड़ा से मुलाकात के दौरान उनकी मां से जुड़कर दिल को छू लेने वाला भाव प्रकट किया। उन्होंने एक हल्के-फुल्के माहौल में यह साझा किया कि किस तरह से वे टोक्यो ओलंपिक में नीरज की जीत के बाद उनके प्रसिद्ध लड्डू का बेसव्री से इंतज़ार कर रहे थे। इस व्यक्तिगत गर्मजोशी ने न केवल मोदी की संवेदनाओं को दर्शाया, बल्कि एक एथलीट की यात्रा में परिवार के समर्थन के महत्व को भी उजागर किया।

4. प्रधानमंत्रीजी उस समय धावूक हो गए, जब उन्हें शतरंज खिलाड़ी वेंकटा अग्रवाल से एक खास तोहफा मिला। वेंकटा ने उन्हें 2012 में आयोजित स्वामी विवेकानंद महिला शतरंज महोत्सव की एक अनमोल तस्वीर भेंट की, जहां गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें पुरस्कार दे रहे थे। ऐसे अनिर्गत पल हैं जो खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तिगत जुड़ाव को उजागर करते हैं, उन्हें प्रेरित करते हैं, उन्हें मूल्यवान महसूस कराते हैं और देश के लिए जीतने के जज्बा भरकर उभरते करते हैं। वे प्रतियोगिता से पहले, उसके दौरान और बाद में भी लगातार खिलाड़ियों से बातचीत करते हैं, फिर चाहे वे जीतें या हारें, लेकिन मोदी पूरे समय उनका उत्साहवर्धन करते हैं। प्रधानमंत्री वास्तव में उनके लिए ताकत का स्तंभ हैं।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2036 में भारत में

भारतीय ओलंपिक के बाद, उन्होंने पदक विजेताओं तथा पोडियम स्थान से चूकने वालों, दोनों की प्रशंसा की और इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक खिलाड़ी की यात्रा भारत की खेल विरासत में योगदान देती है।

1. पेरिस ओलंपिक के बाद, उन्होंने पदक विजेताओं तथा पोडियम स्थान से चूकने वालों, दोनों की प्रशंसा की और इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक खिलाड़ी की यात्रा भारत की खेल विरासत में योगदान देती है।

2. प्रधानमंत्री ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 से पहले सार्वजनिक रूप से भारतीय दल की सफलता की कामना

जोधपुर के महाराजा गजसिंह मारवाड़ की कला, साहित्य, संस्कृति एवं विरासत के संरक्षक के रूप में अपनी बेहतरीन भूमिका हमेशा निभा रहे हैं। गजसिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मारवाड़ के सांस्कृतिक दूत की भूमिका है। गजसिंह देश व विदेश में लोकप्रिय व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं। देश में प्रजातंत्र के बाद में भी जोधपुर में राजतंत्र का अस्तित्व व विदेश के प्रति मारवाड़ की प्रजा के सभी जाति, धर्म, समाज के लोगों में बहुत सम्मान है। मारवाड़ की जनता के साथ अपनागत भरते रहिते हैं। महाराजा गजसिंह हमेशा कहते हैं कि मेरी पहचान मारवाड़ की जनता से है। 'म्हारी ओलखाण आयसूं' है।

गजसिंह का जन्म 13 जनवरी 1948 को हुआ। इनके जन्म के 4 वर्ष बाद पिता महाराजा हनवन्त सिंह का 26 जनवरी 1952 को विमान दुर्घटना में निधन हो गया। युवराज गजसिंह का 12 मई 1952 को महाराजा के रूप में राजतिलक हुआ। ऐसे समय में स्वर्गीय उम्मेद सिंह की धर्मपत्नी राजदादीसा बदन कंव्वर ने इस विकट

जैसे-जैसे साल के अंतिम क्षण करीब आते हैं, दुनिया नए साल के आगमन का उत्साहपूर्वक इंतज़ार करती है। जब घड़ी में आधी रात होती है और आसमान आतिशबाजी से जगमगाता है तो दुनिया भर के लोग 1 जनवरी को नए साल का स्वागत करते हैं। 31 दिसम्बर की रात को, जिसे न्यू ईयर ईव कहा जाता है। नए साल की शुरूआत पुराने को विदा करने और नए की आशा का स्वागत करने का प्रतीक है। एक जनवरी को नए साल की शुरूआत के पीछे क्या इतिहास, महत्व

करते हुए कहा था कि उनका साहस और दृढ़ संकल्प पूरे देश को प्रेरित करता है। खेल कार्यक्रम के बाद, सभी खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री आवास पर आमंत्रित किया गया, जहां प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया और खेलों में उनके प्रयासों की सराहना की। पैरा-ओलंपियन योगेश कथुनिया ने प्रधानमंत्री को 'परम मित्र' कहा और प्रत्येक खिलाड़ी को उनसे मिलने वाले प्रोत्साहन पर प्रकाश डाला।

यह साल भारत की खेल यात्रा के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष साबित हुआ है, जिसमें ओलंपिक और पैरालिंपिक दोनों में सफलताएं शामिल हैं। खेल उद्युक्तता के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए 470 करोड़ रुपये से अधिक के ऐतिहासिक धन आवंटन के माध्यम से स्पष्ट हुई है। मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित करने में अद्वितीय समर्थन प्रदर्शित किया है कि एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए सबसे अच्छा वातावरण मिले, ओलंपिक खेल गांव में एथलीटों को 40 पोर्टेबल एयर कंडीशनर प्रदान किए गए। मनु भाकर ने ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बदनक इतिहास रच दिया। स्थलित कुसाले ने निशानेबाजी में तीसरा पदक जीतकर ओलंपिक के एक ही संस्करण में किसी खेल में भारत का सबसे बड़ा पदक बना दिया। भाला फेंक में रजत

ओलंपिक 2024 में भारत :- यह साल भारत की खेल यात्रा के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष साबित हुआ है, जिसमें ओलंपिक और पैरालिंपिक दोनों में सफलताएं शामिल हैं। खेल उद्युक्तता के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए 470 करोड़ रुपये से अधिक के ऐतिहासिक धन आवंटन के माध्यम से स्पष्ट हुई है। मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित करने में अद्वितीय समर्थन प्रदर्शित किया है कि एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए सबसे अच्छा वातावरण मिले, ओलंपिक खेल गांव में एथलीटों को 40 पोर्टेबल एयर कंडीशनर प्रदान किए गए। मनु भाकर ने ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बदनक इतिहास रच दिया। स्थलित कुसाले ने निशानेबाजी में तीसरा पदक जीतकर ओलंपिक के एक ही संस्करण में किसी खेल में भारत का सबसे बड़ा पदक बना दिया। भाला फेंक में रजत

ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आधिकारिक तौर पर देश की रुचि व्यक्त की है। भारतीय ओलंपिक संघ ने नवंबर में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भावी मेजबान आयोग को एक आशय पत्र प्रस्तुत किया, जो इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के लिए भारत की औपचारिक बोली को चिह्नित करता है। खेलो इंडिया और टॉपस जैसे खेल कार्यक्रमों के लिए मोदी सरकार का निरंतर समर्थन भारत को अंतरराष्ट्रीय पहचान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 'खेलो इंडिया' का उद्देश्य देश भर में खेल उद्युक्तता को बढ़ावा देने के लिए एक जन आंदोलन को बढ़ावा देना है। दरअसल, हांगकांग में आयोजित एशियाई खेलों में भाग लेने वाले भारतीय दल में कुल 124 एथलीट खेलो इंडिया के एथलीट थे और उन्होंने 106 पदकों में से 42 पदक जीतकर विशिष्ट योगदान दिया।

शतरंज में, डी गुकेश हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने, जिन्होंने कम उम्र में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करके भारत को बहुत गौरवान्वित किया। 2024 तक शतरंज की विरासत वैशाली रमेश बाबू जैसी विलक्षण प्रतिभा के साथ जारी रही, जिन्होंने फिडे द्वारा टैडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया है। वैशाली कोनेरु हंसी और हरिका द्रोणावल्ली के बाद तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर है। भारत की शतरंज टीम ने हंगरी में 45वें शतरंज ओलंपियाड में ओपन और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। महिला टीम ने इस प्रतिष्ठित आयोजन में पहला स्वर्ण पदक हासिल किया।

क्रिकेट के बेहतरीन क्रिकेटर्स में से एक विराट कोहली को आईसीसी वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 से सम्मानित किया गया। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी मेन्स टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 का पुरस्कार जीता। 23 वर्षीय युजुवसरा दिव्याकृति सिंह ने एक

पदक जीतने के बाद नीरज चौपड़ा सबसे सफल व्यक्तिगत ओलंपियन बन गए। कुशती में कांस्य पदक जीतकर अमन शेरवत भारत के सबसे युवा ओलंपिक पदक विजेता बन गए। अयन लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टीडिंग एसएच1 में स्वर्ण पदक जीता, जबकि नितेश कुमार ने बैडमिंटन में अपना दबदबा कायम रखते हुए पुरुष सिंगल्स एसएल3 में स्वर्ण पदक जीता। सुमित अंतिल और धरमबीर ने क्रमशः पुरुषों की भाला फेंक एफ64 तथा पुरुषों की क्लब श्रो एफ51 में स्वर्ण पदक जीतकर पदक ताकिना में अपना नाम जोड़ा। तीव्रदाजी हेरविंदर सिंह ने पुरुषों की व्यक्तिगत हॉकी ओपन में स्वर्ण पदक जीता, जबकि नवदीप सिंह ने पुरुषों की भाला फेंक एफ41 में जीत हासिल की। कई अन्य एथलीटों ने देश की प्रगतिशील पदक संख्या में योगदान दिया, जिससे यह भारतीय पैरा-स्पोर्ट्स के लिए वास्तव में सामूहिक उपलब्धि बन गई। शतरंज में, डी गुकेश हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने, जिन्होंने कम उम्र में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करके भारत को बहुत गौरवान्वित किया। 2024 तक शतरंज की विरासत वैशाली रमेश बाबू जैसी विलक्षण प्रतिभा के साथ जारी रही, जिन्होंने फिडे द्वारा टैडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया है। वैशाली कोनेरु हंसी और हरिका द्रोणावल्ली के बाद तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर है। भारत की शतरंज टीम ने हंगरी में 45वें शतरंज ओलंपियाड में ओपन और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। महिला टीम ने इस प्रतिष्ठित आयोजन में पहला स्वर्ण पदक हासिल किया।

क्रिकेट के बेहतरीन क्रिकेटर्स में से एक विराट कोहली को आईसीसी वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 से सम्मानित किया गया। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी मेन्स टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 का पुरस्कार जीता। 23 वर्षीय युजुवसरा दिव्याकृति सिंह ने एक

फेम अर्वाई, 25 नवंबर 2014 में नई दिल्ली में कला, पर्यटन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोनडे नास्ट ट्रेवलर द्वारा लाइव टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। गजसिंह के संरक्षण में मेहरानगढ़ दुर्ग को यूनेस्को एशिया पसिफिक अवार्ड, 2013 में नागौर दुर्ग को आगा खान अवार्ड ऑफ़ आर्किटेक्चर के लिए नामित किया गया।

जोधपुर व पोलो का लंबा इतिहास रहा है। गजसिंह ने पोलो को नई पहचान व संरक्षण देते हुए 1998 में जोधपुर पोलो एंड इक्वेस्ट्रियन इंस्टीट्यूट की स्थापना करके महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो के लिए पैसो धास का मैदान तैयार करवाया व हर वर्ष दिसम्बर में पोलो सीजन का आयोजन करवाते हैं। अभी 30 दिसम्बर को एक माह चले 25 वें पोलो सीजन का समापन हुआ है।

- राजेन्द्र सिंह लीलिया)

पी.आर.ओ, उम्मेद भवन पैलेस हाउसहोल्ड, जोधपुर

मारवाड़ की कला, साहित्य, संस्कृति व विरासत के संरक्षक महाराजा गजसिंह

मारवाड़ की कला, साहित्य, संस्कृति एवं विरासत के संरक्षक के रूप में अपनी बेहतरीन भूमिका हमेशा निभा रहे हैं। गजसिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मारवाड़ के सांस्कृतिक दूत की भूमिका है। गजसिंह देश व विदेश में लोकप्रिय व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं। देश में प्रजातंत्र के बाद में भी जोधपुर में राजतंत्र का अस्तित्व व विदेश के प्रति मारवाड़ की प्रजा के सभी जाति, धर्म, समाज के लोगों में बहुत सम्मान है। मारवाड़ की जनता के साथ अपनागत भरते रहिते हैं। महाराजा गजसिंह हमेशा कहते हैं कि मेरी पहचान मारवाड़ की जनता से है। 'म्हारी ओलखाण आयसूं' है।

गजसिंह का जन्म 13 जनवरी 1948 को हुआ। इनके जन्म के 4 वर्ष बाद पिता महाराजा हनवन्त सिंह का 26 जनवरी 1952 को विमान दुर्घटना में निधन हो गया। युवराज गजसिंह का 12 मई 1952 को महाराजा के रूप में राजतिलक हुआ। ऐसे समय में स्वर्गीय उम्मेद सिंह की धर्मपत्नी राजदादीसा बदन कंव्वर ने इस विकट

समय में राजपरिवार के संरक्षक की बेहतर भूमिका निभाते हुए परिस्थितियों को सही तरह से संभाला एवं स्वर्गीय महाराजा हनवन्त सिंह की धर्मपत्नी राजमाता कृष्णा कुमारी ने गजसिंह का राजसी परम्परानुसार बेहतर लालन-पालन किया व संस्कारवान बनाया। महाराजा गजसिंह का विवाह 19 फरवरी 1973 को पुंछ राज परिवार में राजा शिवरतन सिंह देव की पुत्री राजकुमारी हेमवता राज्ये के साथ संपन्न हुआ। गजसिंह देश-विदेश में अपने मारवाड़ व जोधपुर की कला, संस्कृति, पर्यटन, विरासत की पहचान बनाने में सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभा रहे हैं।

गजसिंह के मुख्य संरक्षण में कला व संस्कृति को बढ़ावा देने व इतिहास संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। राजस्थान के लोक कलाकारों को नई पहचान देने के लिए मेहरानगढ़ फोटों में प्रतिबंध सूफी फेस्टिवल व जोधपुर रिफ जैसे बड़े आयोजन करवाए जाते हैं। 12 मई को जोधपुर स्थापना दिवस समारोह में मारवाड़ की

खुद के जीवन का मूल्यंकन करने और एक नई शुरूआत करने का अवसर है। दुनिया भर में यह समय लोगों को नई संभावनाओं को अपनाने और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करता है। 31 दिसम्बर की रात से शुरू होकर 1 जनवरी की सुबह तक, विभिन्न देशों में लोग गाने गाते हैं, आतिशबाजी देखते हैं और ऐसे खाद्य पदार्थ खाते हैं जिन्हें शुभ माना जाता है। साथ ही, यह समय संकल्प लेने का सात है, जहां लोग अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं।

मारवाड़ के लोगों की सुख समृद्धि व अकाल की स्थिति में वर्षों के लिए 5 सितंबर 1986 को जोधपुर से रामदेवरा तक पदयात्रा की व लोक देवता बाबा रामदेव जी के दर्शन कर प्रार्थना की। वर्ल्ड मोन्यूमेंट फंड न्यूयॉर्क ने मान्यता की कलात्मक व सांस्कृतिक पुरातात्विक संपदा के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च कोटि का नेतृत्व प्रदान करने के लिए 27 अक्टूबर 2006 में हेंड्रियन अर्वाई, 2011 में इटोज हॉल ऑफ

मारवाड़ के लोगों की सुख समृद्धि व अकाल की स्थिति में वर्षों के लिए 5 सितंबर 1986 को जोधपुर से रामदेवरा तक पदयात्रा की व लोक देवता बाबा रामदेव जी के दर्शन कर प्रार्थना की। वर्ल्ड मोन्यूमेंट फंड न्यूयॉर्क ने मान्यता की कलात्मक व सांस्कृतिक पुरातात्विक संपदा के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च कोटि का नेतृत्व प्रदान करने के लिए 27 अक्टूबर 2006 में हेंड्रियन अर्वाई, 2011 में इटोज हॉल ऑफ

भारत में हिंदू कैलेंडर के अनुसार नव व्रत अलग-अलग तिथियों पर मनाया जाता है, जो विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों में अलग-अलग नामों से प्रसिद्ध है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को विक्रम संवत् और हिंदू नव वर्ष का आरंभ माना जाता है। हिंदू नव वर्ष प्राकृतिक चक्र और सौर मंडल की गतिविधियों के अनुसार निर्धारित होता है। यह फसल के मौसम, प्रकृति और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। इस दिन पूजा, हवन और सामाजिक उत्सव आयोजित किए

जाते हैं। हिंदू नव वर्ष जीवन में संतुलन, नई ऊर्जा और आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है। यह दिन नई शुरूआत के लिए प्रेरणा देता है और भावना को कुपा से समृद्धि की कामना की जाती है। निष्कर्ष: चाहे वह ग्रेगोरियन कैलेंडर हो या हिंदू पंचांग, नव वर्ष जीवन में नई संभावनाओं, आशाओं और उत्सवों का समय है। यह अवसर हमें पुराने यादों को सहजने और नए सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करता है।

-श्वेता यादव, स्वतंत्र लेखक



राशिफल

बुधवार 1 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2081, उत्तराषाढा नक्षत्र रात्रि 11:46 तक, व्याघ्रात योग सार्य 5:06 तक, बालव करण दिन 2:55 तक, चन्द्रमा आज

पंडित अनिल शर्मा मकर राशि में संचार करेंगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरु-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्मति, नववर्ष दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:55 तक, शुभ 11:15 से 12:30 तक, चर 3:05 से 4:23 तक, लाभ 4:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:40

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आरंभ परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। खर्च-पन के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्जनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेवारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठी